

ADDENDA.

3. Cf. 1156. οὐκ ἔσθ' ὁποῖον —.

4. Perantiqua est corruptela ἄτης ἄτεο, quum jam Didymi aetate teste scholiasta exstiterit. Frequentiores corruptelas in versuum terminis marginalibus fuisse bene notum est, quum vocabula ibi scripta facile evanida fierent aut mutilari possont. Cf. Aesch. Ag. 1483. ἀτηρᾶς τύχας. Pr. 746. ἀτηρᾶς δύης. Eum. 1007.

5. Exciderat, opinor, οὖν post simile οὐτ'. Hinc istae turbae. De particulis οὐτε — οὐτ' οὖν cf. Aesch. Eum. 412. Sic μήτε — μήτ' οὖν Ag. 359. 474.

6. οὐκ ὄπωπ' ἐγὼ κακῶν] Qu. ἐστ' ἀπὸν τανῦν κακῶν.

9. κεισῆκους] Qu. ἢ εἰσῆκουσας, crasi qualis est in μὴ εἰδέναι.

10. τῶν ἐχθρῶν κακά] Cf. O. R. 1530. τέρμα τοῦ βίου. Qu. τὰπ' ἐχθρῶν κακά. V. schol. Cf. 5. τῶν ἀπ' Οἰδίου κακῶν.

24. σὺν δίκη χρησθεῖς δικαία mss. σὺν δίκης χρήσει δικαία G. H. Müller. Jebb. Frustra. Melius aberit versus futilis interpolatus. Cf. Eur. Bacch. 139. ὠμοφάγον χάριν. Herc. 385. χαρμοναῖσιν ἀνδροβορῶσι. Soph. Fr. 541. ἀνδροβορῶτας ἠδονάς. Herod. VIII. 106. οἱ σε ποιήσαντα ἀνόσια νόμῳ δικαίῳ χρώμενοι ὑπήγαγον ἐς χέρας τὰς ἐμάς.

39. εἰ τὰδ' ἐν τούτοις] Vitiosum. Lege εἰ τὰδ' ἐν τούτῳ ᾧσ' aut εἰ τὰδ' ἔσθ' οὕτως. Cf. Plat. Prot. 310 C. εἰ γὰρ ἐν τούτῳ εἶη. Arist. Pl. 399. οὐκ ἐστί πῶ τὰ πράγματ' ἐν τούτῳ.

59. ὄσῳ κάκιστ' —] Cf. Ant. 1243. δείξας — ὄσῳ μέγιστον ἀνδρὶ πρόσκειται κακόν. 1050. ὄσῳ κράτιστον κτημάτων εὐβουλία.

107. πανσαγία mss. Correxi πανστρατιᾶ.

119. Lege ἐπιάπυλον πόλισμα. Cf. Ph. 1424. τὸ Τρωϊκὸν πόλισμα. Eur. Bacch. 917. πόλισμ' ἐπιάστομον. Suppl. 1220. ἐπιάστομον πύργωμα. Ph. 287.

130. χρυσοῦ καναχῆ mss. Allusio fortasse est ad Polynicis arma et ornamenta aurea, de quibus v. Aesch. Sept. 644. 660. Adrasti enim, regis Argivi haud dubie locupletis, filiam uxorem duxerat. ὑπεροπλίας Dorv. καναχῆ θ' ὑπερόπλους Donaldson.

147. θανάτου μέρος] I. q. θανάτου μοῖραν.

154. βακχεῖος mss. βάκχιος Br. Cf. ad O. C. 704. et O. R. 1105.

168. Qu. ἀμφὶ τὰκείνου τέκνα | αἰεὶ μένοντας —.